Regarding Parali Management in Chhatisgarh

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी **(**महासमुन्द**) :** महोदया, देश के इस सर्वोच्च सदन में आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं अपनी और महासमुन्द लोक सभा की जनता की तरफ से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ ।

महोदया, मैं छत्तीसगढ़ से आती हूँ, जिसे धान का कटोरा भी कहा जाता है । पिछले कुछ वर्षों से छत्तीसगढ़ में रबी और खरीफ दोनों के सीजन में धान की खेती का रकबा कई गुना बढ़ गया है, जिससे दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों के उत्पादन की जगह सब लोग धान की खेती करने लगे हैं । समस्या यह है कि धान की कटाई के बाद जो खेत में धान की पराली बच जाती है, उसको जलाने की विकराल समस्या देश के सामने खड़ी हुई है । इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और भूमि की उर्वरता लगातार नष्ट हो रही है । इससे दुर्घटनाओं की भी आशंका बनी रहती है ।

महोदया, आज पूरे विश्व को जलवायु परिवर्तन के चलते भयावह स्थिति का सामना करना पड़ रहा है । भविष्य में हालात और भी भयावह हो सकते हैं । पराली प्रबंधन के लिए फसल कटाई के समय कम्बाइन हारवेस्टर के पीछे लगने वाले सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम मशीन को प्रत्येक कम्बाइन हारवेस्टर के साथ अनिवार्य किया जाना चाहिए । जो हमारे पालतू पशु हैं, गाय, बैल आदि के लिए आज चारे की जो आवश्यकता पड़ रही है, वह इससे दूर होगी । अगर उस मशीन के मूल्य में विशेष छूट प्रदान की जाए ताकि उस पराली को हम गौशाला में दें और उसे बिना जलाये, पहले उस पराली को इकट्ठा कर लें और तब उस जमीन का खेती के लिए उपयोग करें । यह हमारे लिए बहुत आवश्यक है । बहुत जल्दी अक्टूबर-नवम्बर में धान की फसल की फिर से कटाई होगी, जिससे फिर यह समस्या हमारे सामने आएगी । मैं इस तरफ आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहती हूँ । धन्यवाद ।